Dainik Bhaskar (Indore), 12th May 2024, Indore City Page-27

उपलब्धि | आईआईटी के साथ ही एसजीएसआईटीएस, आईईटी और एक्रोपोलिस कॉलेज में हो रही अंतरराष्ट्रीय स्तर की रिसर्च

इंदौर में डिजाइन हो रहे सेमीकंडक्टर, मैन्युफैक्चरिंग की संभावना भी

श्रीमती निर्मला वर्मा के बेटे
अभिषेक वर्मा की रिपोर्ट (इंदौर)

आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस के लिए जरूरी सेमीकंडक्टर्स बनाने की दिशा में इंदौर में बड़े स्तर पर काम चल रहा है। शहर के आईआईटी सहित अन्य प्रमुख कॉलेजों में न सिर्फ इसकी पढ़ाई कराई जा रही है बल्कि रिसर्च के लिए लैब भी बनाई गई है। इन लैब में सेमीकंडक्टर के डिजाइन तैयार हो रहे हैं। ये प्रयास भारत को सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम होंगे।

यहां बनने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए सेमीकंडक्टर ताईवान, चीन, साउथ कोरिया और अन्य देशों से आयात किए जाते हैं। मेड इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को गति देने के लिए भारत में पहली बार सेमीकंडक्टर के निर्माण का रास्ता प्रशस्त हुआ। जल्द ही तीन सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट्स लगेंगे। एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स में भी सेमीकंडक्टर पर चल रही रिसर्च ने जोर पकड़ा है। आईआईटी इंदौर के साथ ही एसजीएसआईटीएस, डीएवीवी के आईईटी, एक्रोपोलिस कॉलेज सहित अन्य में चिप डिजाइनिंग की बारीकियां सिखाई जा रही हैं।

एक्रोपॉलिस की वीएलएसआई लैब में स्टडी करते स्टूडेंट्स।

लग्जरी प्रोडक्ट तक में जरूरी, 2029 तक 1381 अरब डॉलर होगा मार्केट

सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल रोजमर्रा की जरूरत के उपकरणों के साथ कई लग्जरी प्रोडक्ट में होता है। यह एक सिलिकॉन चिप होती है, जो कि किसी भी प्रोडक्ट को कंट्रोल और मेमोरी फंक्शन को ऑपरेट करने में मदद करती है। वाहनों, स्मार्टफोन, कम्प्यूटर, एटीएम, कार, डिजिटल कैमरा, एसी, फ्रिज के साथ कई मिसाइलों के साथ लक्जरी कारों के सेंसर, ड्राइवर असिस्टेंस, पार्किंग रियर कैमरा, एयरबैग और इमरजेंसी ब्रेकिंग में भी इस्तेमाल होती है।

अगले 5 सालों में 8 से 10 लाख प्रोफेशनल्स की जरूरत होगी

कॅरियर काउंसलर डॉ. जयंतीलाल भंडारी बताते हैं अमेरिका, जापान जैसे विकसित देश भी सेमीकंडक्टर के मामले में ताइवान और चीन पर निर्भर हैं, लेकिन अब भारत में सेमीकंडक्टर की कंपनियों के बनने के बाद चिप बनाने की प्रक्रिया की रोजगार मूलक शुरुआत होगी। 2029 तक इसका 1381 अरब डॉलर का मार्केट होगा। आईआईटी के प्रो. संतोष विश्वकर्मा ने बताया, रेंडस्टेड की रिपोर्ट के अनुसार सेमीकंडक्टर सेक्टर में विभिन्न भूमिका वाले 40 हजार ही प्रोफेशनल हैं। अब यह क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ेगा और 5 सालों में इसमें 8 से 10 लाख प्रोफेशनल की जरूरत होगी।